

ज़िका वायरस

ज़िका वायरस एक मच्छर से पैदा हुआ फ्लैविविरस है जिसे पहली बार 1947 में युगांडा में बंदरों में पहचाना गया था। बाद में इसे 1952 में युगांडा और तंजानिया के संयुक्त गणराज्य में मनुष्यों में देखा गया।

2007 में याप (संघीय राज्यों के माइक्रोनेशिया) के द्वीप से ज़िका वायरस रोग के पहले दर्ज प्रकोप की सूचना मिली थी। इसके बाद 2013 में फ्रेंच पॉलिनेशिया में ज़िका वायरस संक्रमण और प्रशांत क्षेत्र के अन्य देशों में बड़े पैमाने पर इसका प्रकोप हुआ। मार्च 2015 में, ब्राजील ने लाल चकत्ते की बीमारी के बड़े प्रकोप की सूचना दी, जिसे जल्द ही ज़िका वायरस संक्रमण के रूप में पहचाना गया, और जुलाई 2015 में, गिलिन-बैर सिंड्रोम से जुड़ा हुआ पाया गया।

विस्तार

यह दिन के समय सक्रिय एडीज मच्छरों द्वारा फैलाया जाता है, जैसे कि A - इजिप्ती और A - अल्बोपिक्टस।

एडीज इजिप्ती, पीले बुखार वाला एक मच्छर है जो डेंगू बुखार, चिकनगुनिया, ज़िका बुखार, मायारो और अन्य रोगों के घटकों को फैला सकता है। इस मच्छर को अपने पैरों पर सफेद निशान से पहचाना जा सकता है



एडीस अल्बोपिक्टस (स्टेगोमीया अल्बोपिक्टा) मच्छर, कूलिसिडे परिवार से है। जिसे एशियाई बाघ मच्छर या वन मच्छर के रूप में भी जाना जाता है, यह पैदाइशी रूप से दक्षिण पूर्व एशिया के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों का एक मच्छर है



रोगजनन

ज़िका वायरस पहले मच्छर के मिडगट उपकला कोशिकाओं और फिर इसके लार ग्रंथि कोशिकाओं में खुद को दोहराता है।

5-10 दिनों के बाद, यह मच्छर के लार में पाया जा सकता है।

यदि मच्छर का लार मानव त्वचा के संपर्क में आता है, तो वायरस एपिडर्मल केरातिनोसाइट्स, त्वचा में फाइब्रोबलास्ट्स और लैंगरहंस कोशिकाओं को संक्रमित कर सकता है।

फ्लैविवायरस साइटप्लाज्म में वृद्धि करता है, लेकिन ज़िका प्रतिजन संक्रमित कोशिका नाभिक में पाए गए हैं।

संकेत और लक्षण

ज़िका वायरस रोग की ऊष्मायन अवधि (लक्षणों के संपर्क में आने का समय) 3-14 दिन होने का अनुमान है।

लक्षण आमतौर पर बुखार, दांत, संयुग्मशोथ, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, मलिनता, और सिरदर्द आदी होते हैं, और सामान्यतः 2-7 दिनों तक रहते हैं।

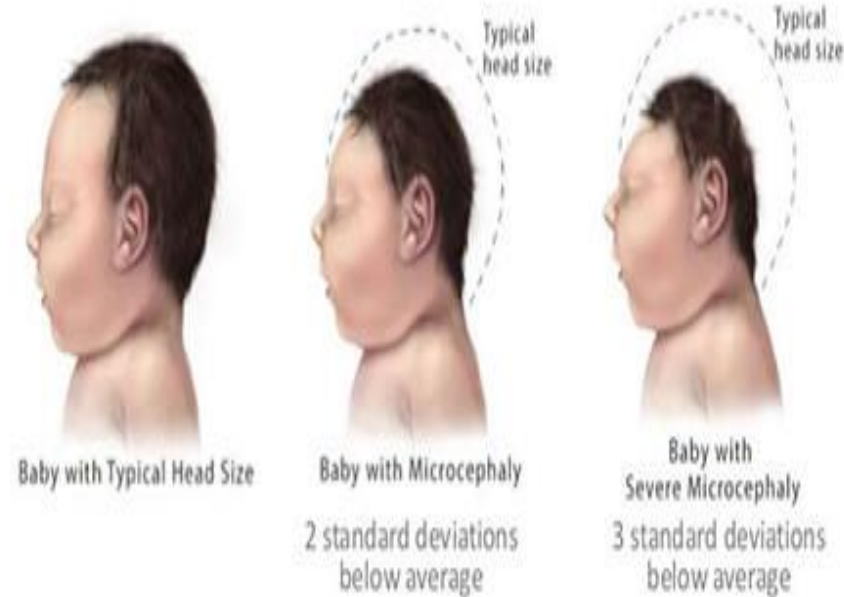


ज़िका वायरस रोग की जटिलताएँ

गर्भावस्था के दौरान ज़िका वायरस संक्रमण विकासशील भ्रूण और नवजात शिशु में माइक्रोसेफली और अन्य जन्मजात असामान्यताओं का कारण है। गर्भावस्था में ज़िका संक्रमण के परिणामस्वरूप गर्भावस्था की जटिलताओं के कारण भ्रूण हानि, प्रसव और समय से पूर्व भी जन्म भी हो सकता है।

ज़िका वायरस संक्रमण खासकर वयस्कों और बड़े बच्चों में गिलिन-बैरे सिंड्रोम, न्यूरोपैथी और मायलाइटिस का एक ट्रिगर है।

Microcephaly is a Rare Neurodevelopmental Disorder



2-12 cases per 10,000 live births in the US

हस्तांतरण

गर्भावस्था के दौरान, यौन संपर्क के माध्यम से, रक्त और रक्त उत्पादों के संक्रमण, और अंग प्रत्यारोपण के दौरान ज़िका वायरस भी मां से भ्रूण तक फैलता है।



निदान

ज़िका वायरस संक्रमण का निदान केवल रक्त या अन्य शरीर के तरल पदार्थ जैसे मूत्र या वीर्य के प्रयोगशाला परीक्षणों द्वारा पुष्टि की जा सकती है।

Zika Diagnosis



RNA NAT testing



IgM testing



उपचार



ज़िका वायरस संक्रमण या इसके संबंधित रोगों के लिए कोई उपचार उपलब्ध नहीं है।

ज़िका वायरस संक्रमण के लक्षण आमतौर पर सामान्य होते हैं। बुखार, दांत, या आर्थरग्लिया जैसे लक्षण वाले लोगों को बहुत आराम मिलना चाहिए, तरल पदार्थ पीना चाहिए, और सामान्य दवाओं के साथ दर्द और बुखार का इलाज करना चाहिए। यदि लक्षण खराब हो जाते हैं, तो उन्हें चिकित्सा देखभाल और सलाह लेनी चाहिए।



रोक-थाम

व्यक्तिगत सुरक्षा उपायों में सही कपड़े पहनना शामिल है (संभवतः हल्का रंग) जिसमें जितना संभव हो उतना शरीर ढंका रहे। खिड़कियों पर स्क्रीन और बंद दरवाजे जैसे भौतिक अवरोधों का उपयोग करना और कीट प्रतिरोधी लागू करना शामिल है।

Wear long-sleeved shirts, trousers, hats



Use EPA-registered insect repellents



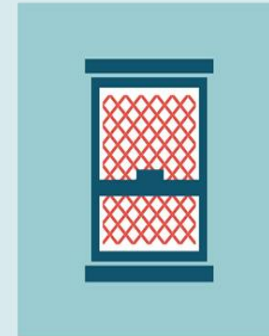
Sleep under mosquito nets on beds if overseas or outside



Empty/clean containers that hold water



Stay in places with air conditioning or screens on windows



Treat clothing and gear with permethrin (insecticide)



WHO प्रतिक्रिया

WHO जिका सामरिक प्रतिक्रिया फ्रेमवर्क में उल्लेखित कार्यों को लेकर जिका वायरस रोग को नियंत्रित करने के लिए देशों का समर्थन कर रहा है:

जिका वायरस संक्रमण और संबंधित जटिलताओं की रोकथाम, निगरानी, और नियंत्रण में अनुसंधान को आगे बढ़ाएं।

जिका वायरस संक्रमण और संबंधित जटिलताओं के लिए एकीकृत निगरानी प्रणाली का विकास, मजबूती और कार्यान्वयन।

दुनिया भर में जिका वायरस संक्रमण के परीक्षण के लिए प्रयोगशालाओं की क्षमता को सुदृढ़ बनाना।

एडीज मच्छर आबादी को कम करने के उद्देश्य से वेक्टर नियंत्रण रणनीतियों को लागू करने और निगरानी करने के वैश्विक प्रयासों का समर्थन करना।

जिका संक्रमण की जटिलताओं से प्रभावित प्रभावित बच्चों और परिवारों की देखभाल और समर्थन को सुदृढ़ करना

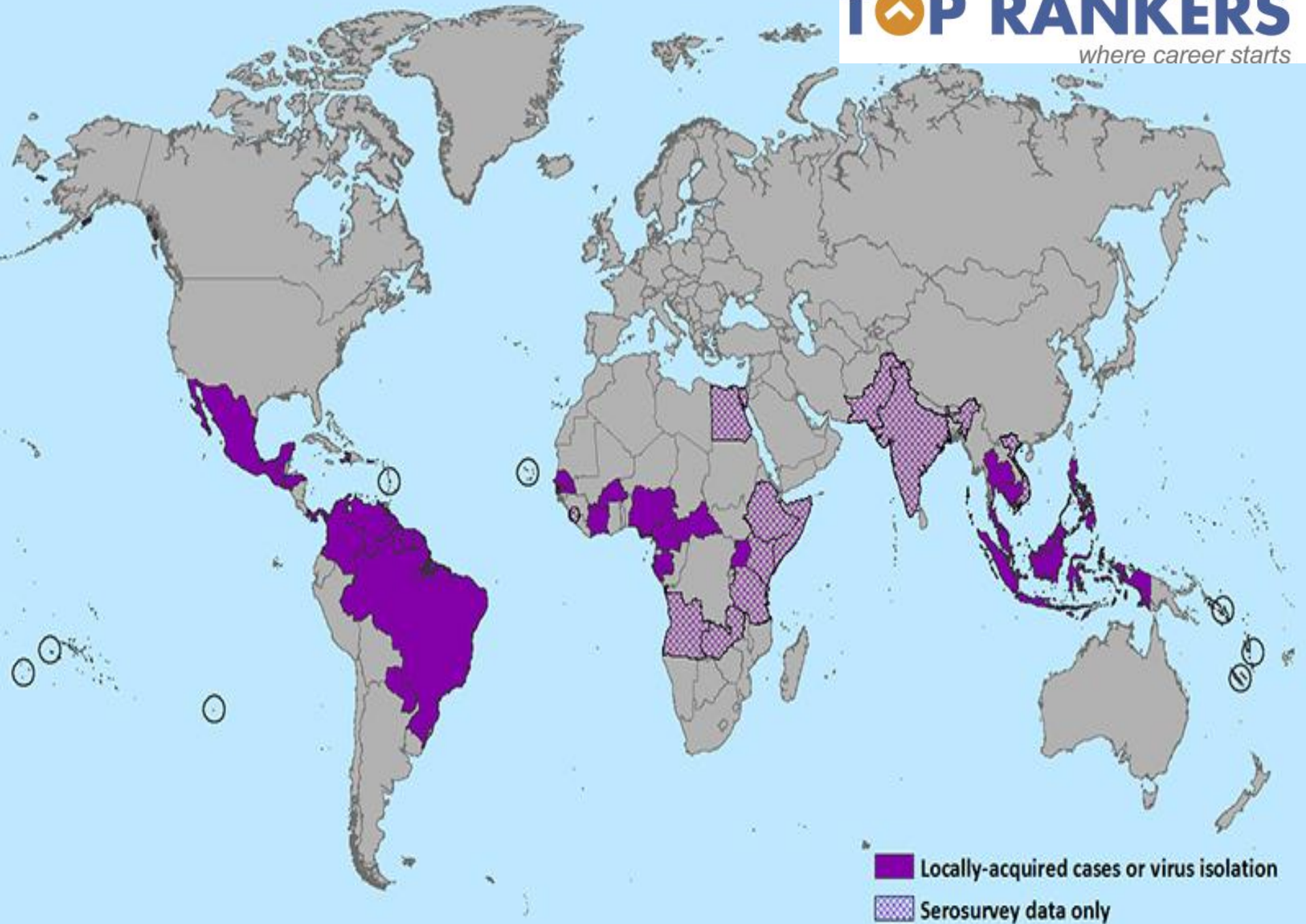
मुख्य तथ्य

- ज़िका वायरस बीमारी मुख्य रूप से एडीज मच्छरों द्वारा प्रसारित एक वायरस के कारण होती है, जो दिन के दौरान काटते हैं।
- लक्षण आम तौर पर सामान्य होते हैं और बुखार, दांत, संयुग्मशोथ, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, मलिन या सिरदर्द आदी के रूप में शामिल होते हैं। लक्षण आमतौर पर 2-7 दिनों के लिए रहते हैं। ज़िका वायरस संक्रमण वाले अधिकांश लोगों लक्षण विकसित नहीं होते हैं।
- गर्भावस्था के दौरान ज़िका वायरस संक्रमण शिशुओं को माइक्रोसेफली और अन्य जन्मजात विकृतियों के साथ पैदा कर सकता है, जिसे जन्मजात ज़िका सिंड्रोम कहा जाता है। ज़िका वायरस के साथ संक्रमण गर्भावस्था की अन्य जटिलताओं से भी जुड़ा हुआ है जिसमें समय से पूर्व गर्भ और गर्भपात शामिल है।
- न्यूरोलॉजिकल जटिलताओं का एक बड़ा जोखिम वयस्कों और बच्चों में ज़िका वायरस संक्रमण से जुड़ा हुआ है, जिसमें गुइलैन-बैरे सिंड्रोम, न्यूरोपैथी और मायलाइटिस शामिल हैं।

टीकाकरण की वर्तमान स्थिति

WHO अनुसंधान और विकास पाइपलाइन में ज़िका टीका उम्मीदवारों को ट्रैक कर रहा है। हम नैदानिक परीक्षाओं के डेटाबेस देख रहे हैं और अध्ययन प्रकाशित कर चुके हैं साथ ही डेवलपर्स से पूछताछ कर रहे हैं कि वे कहाँ हैं - बुनियादी शोध से लेकर नैदानिक मूल्यांकन तक, नियामक अनुमोदन से उत्पादन तक व्यावसायीकरण तक।

जनवरी 2017 तक, लगभग 40 ज़िका टीका उम्मीदवार पाइपलाइन में हैं। उनमें से पांच या तो प्रवेश कर चुके हैं, या प्रवेश करने वाले हैं। चरण 1 परीक्षण जिसमें टीका की सुरक्षा और प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया उत्पन्न करने की क्षमता का मूल्यांकन किया जा रहा है, आने वाले महीनों में कई अन्य उम्मीदवारों के चरण 1 परीक्षण में जाने की उम्मीद है।



क्या किया जाना चाहिए

स्थापित प्रोटोकॉल का पालन करें।

प्रशासन में पारदर्शिता सार्वजनिक स्वास्थ्य का आधार है।

ज़िका वायरस गतिविधियां, जहां अहमदाबाद में नगरपालिका प्राधिकरण तीव्र ज्वरीय बीमारी निगरानी के परिणामों से अनजान था। यह तथ्य स्वयं को बीमारी नियंत्रण सिद्धांतों की एक बहुत ही कम समझ, या संभवतः एक असंगठित, कम कर्मचारियों और निष्क्रिय प्रणाली की याद दिलाता है।

ज़िका मामलों के बारे में जानकारी होने के, महीनों बाद भी कुछ ऐसा नहीं है, जिससे हमें खुद को बधाई दी जानी चाहिए? यह निगरानी गतिविधियों और इन संसाधनों को स्थापित करने में निवेश किए गए सार्वजनिक संसाधनों की बर्बादी को दर्शाता है।

एक एकीकृत रोग निगरानी परियोजना है। यह किस डेटा को एकीकृत करता है उसे समझना मुश्किल होता है, और व्यस्त चिकित्सा अधिकारियों द्वारा उपयोग के लिए डेटा उपलब्ध कराने में इसकी भूमिका क्या है, उतनी ही असंभव है।

स्वास्थ्य प्रणाली को सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में विभाजित किया गया है, जिसे आधुनिक और पारंपरिक चिकित्सा के चिकित्सकों द्वारा आगे बढ़ाया गया है।

भारत में पर्याप्त तकनीकी संसाधन और विशेषज्ञता है। लेकिन नेतृत्व का प्रदर्शन करने और अपमानजनक प्रतिभागियों को मार्गदर्शन करने में सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका आवश्यक है

सरकारी कार्यवाहक को निजी क्षेत्र के स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं से खराब अनुपालन को सही करना चाहिए।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने राजस्थान की राजधानी जयपुर में ज़िका वायरस के मामलों की पुष्टि की है। इसका भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) निगरानी प्रणाली के माध्यम से पता चला था।

इसके बाद, स्वास्थ्य मंत्रालय ने सावधानी पूर्वक उपाय किए हैं: इसने स्थिति की नियमित निगरानी करने के लिए राष्ट्रीय नियंत्रण केंद्र (NCDC) में नियंत्रण कक्ष सक्रिय किया है।

जयपुर में एक केंद्रीय टीम भी नियुक्त की गई है। राज्य सरकार को ज़िका वायरस रोग और इसकी रोकथाम रणनीतियों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए तैयार IEC सामग्री के साथ भी आपूर्ति की गई है।

राज्य सरकार द्वारा प्रोटोकॉल के अनुसार क्षेत्र में व्यापक निगरानी और वेक्टर नियंत्रण उपायों का भी आयोजन किया जा रहा है।